विश्व एड्स दिवस - 2025 : थीम - बाधाओं को दूर करना, एड्स प्रतिक्रिया में परिवर्तन लाना

(आधुनिक राजस्थान) जयपुर। विश्व एड्स दिवस-2025 के अवसर पर सोमवार को अल्बर्ट हॉल परिसर में कैंडल लाइट समारोह एवं रंगोली मेकिंग का जागरूकता कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य एचआईवी/एड्स के प्रति जन-जागरूकता को प्रोत्साहित करना, भेदभाव रहित समाज का संदेश देना तथा बच्चों और युवाओं में संवेदनशीलता एवं सकारात्मक सोच विकसित करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत आश्रय केयर होम के बच्चों द्वारा बनाई गई आकर्षक एवं संदेशपरक रंगोलियों से हुई। बच्चों ने स्टॉप एचआईवी स्टिग्मा, नो योर स्टेटस एवं वर्ल्ड एड्स डे 2025 जैसे प्रभावी संदेशों से उपस्थित जनसमूह को जागरूक किया। इन सुंदर रंगोलियों ने कार्यक्रम में आए लोगों का ध्यान आकर्षित किया तथा जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद कैंडल लाइट कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने मोमबत्तियाँ जलाकर एचआईवी के साथ जीवन जी रहे व्यक्तियों के समर्थन, सम्मान और समान अधिकारों का संकल्प लिया। यह क्षण अत्यंत भावनात्मक रहा और समाज में एकता, सहानुभूति एवं सम्मान का संदेश देता रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे– डॉ अनुराधा सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी, डीएपीईयू-जयपुर, सुशीला जी, आश्रय केयर होम, दयाराम स्वामी, मुकुल माधव फाउंडेशन (एमएमएफ), शकीरा जी एवं गौरव जी, पॉज़िटिव वुमेन नेटवर्क ऑफ राजस्थान (पीडब्लूएन+), आश्रय केयर होम के सभी बच्चे एवं टीम सदस्य अतिथियों ने अपने संदेशों में कहा कि विश्व एड्स दिवस केवल जागरूकता का मंच नहीं, बल्कि एचआईवी के साथ जी रहे लोगों के प्रति सम्मान, स्वीकार्यता और समानता का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने बच्चों के रचनात्मक प्रयासों और रंगोलियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों के धन्यवाद ज्ञापन तथा एचआईवी/एड्स के प्रति भेदभाव रहित समाज बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता के